वार्षिक प्रगति रिपोर्ट

2022-23

सरस्वती समावेशित शिक्षण ट्रस्ट

द्वारा संचालित

हर्षिता इण्टनेशनल दिव्यांग स्कूल एवं प्रशिक्षण केन्द्र

बक्शा, जौनपुर (उ0प्र0)

मोबाईल नं0:

8840618919, 9455418968

मानसिक दिव्यांग बच्चों को 'क' से 'ज्ञ' तक लिखना–पढ़ना

सर्वप्रथम मानसिक दिव्यांग बच्चों को क से ञ तक के अक्षर को विशेष शिक्षिक आनन्द तिवारी द्वारा फ्लैस कार्ड, पेन्सिल, रबड़, चार्ट पेपर, ब्लैक बोर्ड का प्रयोग किया गया। इसके बाद टी0एल0एम0 के माध्यम से लकड़ी के अक्षर को दिखाया गया। आनन्द तिवारी ने बताया टी0एल0एम0 मानसिक दिव्यांग बच्चों के रूचि के अनुसार है। जिससे बच्चों को अक्षर पहचानने में सहूलियत मिली है। मानसिक दिव्यांग बच्चें क से ड़ तक अक्षर को जल्दी पहचान लिये। सबसे पहले इन बच्चों को क से ज्ञ तक लिखकर दिखाया गया। फ्लैस कार्ड का चित्र दिखाया गया। अक्षर को डॉट–डॉट बनाकर बच्चों से मिलाने के लिए कहा गया। बच्चे डॉट का मिलान करना सीख लिए। तब उनको स्वतः लिखने के लिए प्रेरित किया गया। इन बच्चों से ब्लैक बोर्ड पर क से ड़ तक लिखना–पढ़ना सिखाया गया। लेकिन वही सेरेब्रल पालसी व बहुदिव्यांग बच्चे अक्षर की पहचान धीमी गति से सीखे। जो क लिखना सीख पाये। इन बच्चों के दैनिक कियाकलाप पर विशेष ध्यान दिया जाता है। ऐसे बच्चों को अक्षर के ज्ञान से ज्यादा महत्व इनके जीवन के दैनिक कियाकलापों को सिखाया जाता है। जिससे ये अपना जीवन–यापन कर सकें।

मानसिक दिव्यांग बच्चों को गिनती लिखना-पढ़ना सिखाना

सर्वप्रथम मानसिक दिव्यांग बच्चों को विशेष शिक्षिका जितेन्द्र प्रताप मौर्य द्वारा गिनती के विषय में बताया गया। गिनती के महत्व को बताया गया। हर्षिता इण्टरनेशनल दिव्यांग स्कूल एवं प्रशिक्षण केन्द्र बक्शा, जौनपुर मानसिक दिव्यांग सेरेब्रल पालसी, बहुदिव्यांग बालक-बालिकाओं को गिनती की पहचान करना व लिखना सिखाने के लिए श्रीमती सपना मौर्या विशेष शिक्षिका के द्वारा फ्लैस कार्ड, चार्ट पेपर, ब्लैक बोर्ड, चार्ट, पेन्सिल, रबड़ पेपर का प्रयोग किया गया। बच्चों को गिनती का चित्र दिखाया गया। ब्लैक बोर्ड पर लिख कर दिखाया गया। गिनती के फ्लैस कार्ड को दिखाया गया। उसके बाद पेन्सिल से पेपर पर बच्चों के हाथ को पकड़कर लिखवाया गया। गिनती को डॉट-डॉट बनाकर मिलवाया गया। बच्चे डॉट को मिलाकर गिनती लिखना सीखे। 1 से 15 तक के गिनती को लिखने के लिए दिया गया। फ्लैस कार्ड बच्चों के रूचि के अनुसार होने से बच्चों ने गिनती की पहचान करना जल्दी सीख गये और सेरेब्रल पालसी व बहुदिव्यांग बालक-बालिका गिनती की पहचान करने में काफी समय लिए लेकिन वो भी गिनती की पहचान करना सीख गये जितेन्द्र प्रताप मौर्य ने कहा कि-मानसिक दिव्यांग बच्चों को गिनती की पहचान करना सिखाना इसलिए जरूरी है कि इनको पैसो की पहचान कराने में आसानी होगी। समाज की मुख्य धारा में लाने में आसानी होगी।

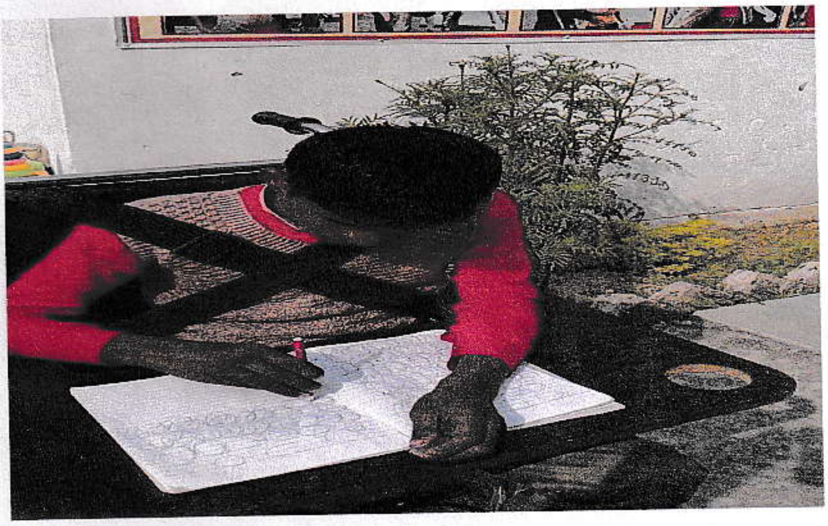

मानसिक दिव्यांग बच्चों को 'A' से 'P' तक लिखना–पढ़ना

सर्वप्रथम मानसिक दिव्यांग बच्चों को A से P तक के अक्षर को विशेष शिक्षिक आनन्द तिवारी द्वारा फ्लैस कार्ड, पेन्सिल, रबड़, चार्ट पेपर, ब्लैक बोर्ड का प्रयोग किया गया। इसके बाद टी0एल0एम0 के माध्यम से लकड़ी के अक्षर को दिखाया गया। आनन्द तिवारी ने बताया टी0एल0एम0 मानसिक दिव्यांग बच्चों के रूचि के अनुसार है। जिससे बच्चों को अक्षर पहचानने में सहूलियत मिली है। मानसिक दिव्यांग बच्चें A से P तक अक्षर को जल्दी पहचान लिये। सबसे पहले इन बच्चों को A से P तक लिखकर दिखाया गया। फ्लैस कार्ड का चित्र दिखाया गया। अक्षर को डॉट–डॉट बनाकर बच्चों से मिलाने के लिए कहा गया। बच्चे डॉट का मिलान करना सीख लिए। तब उनको स्वतः लिखने के लिए प्रेरित किया गया। इन बच्चों से ब्लैक बोर्ड पर A से P तक लिखना–पढ़ना सिखाया गया। लेकिन वही सेरेब्रल पालसी व बहुदिव्यांग बच्चे अक्षर की पहचान धीमी गति से सीखे। जो D तक लिखना सीख पाये। इन बच्चों के दैनिक कियाकलाप पर विशेष ध्यान दिया जाता है। ऐसे बच्चों को अक्षर के ज्ञान से ज्यादा महत्व इनके जीवन के दैनिक कियाकलापों को सिखाया जाता है। जिससे ये अपना जीवन–यापन कर सकें।

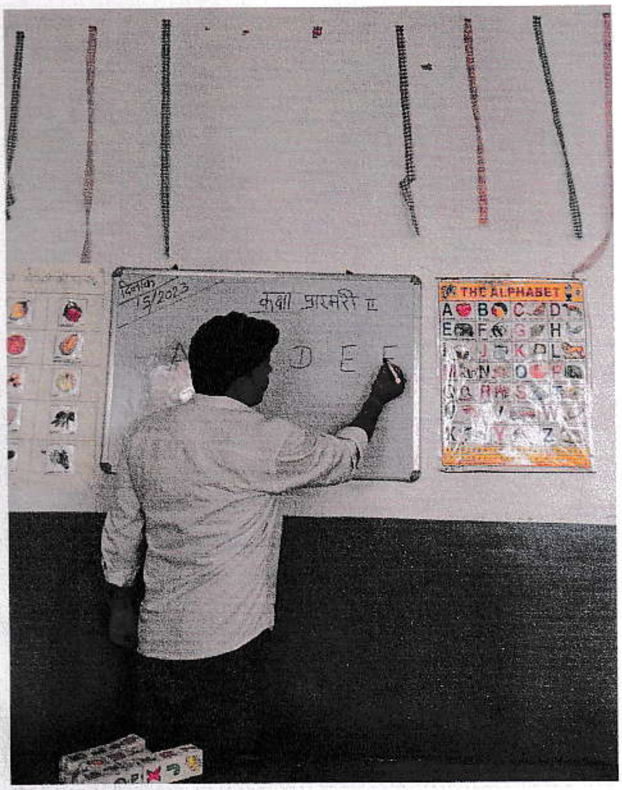

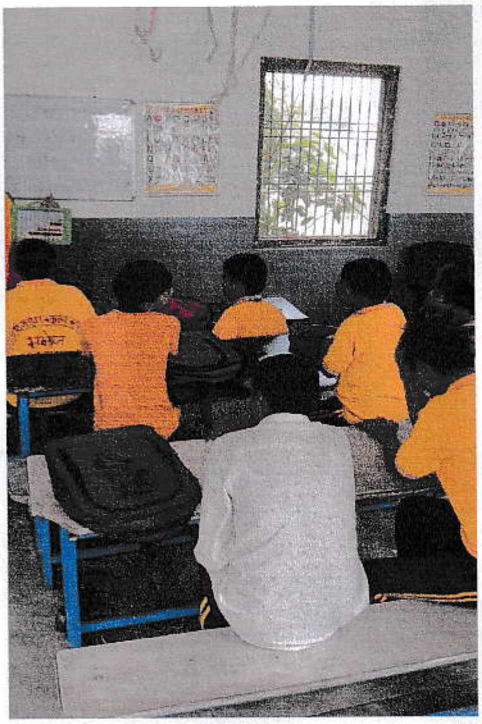

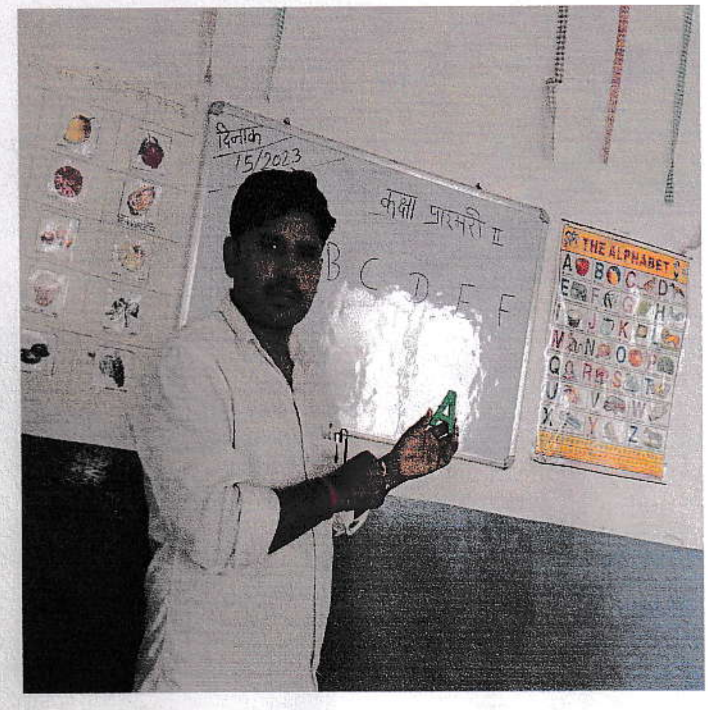

मानसिक दिव्यांग बच्चों को 10 फलों की पहचान कराना

सर्वप्रथम सोनी माली द्वारा दिव्यांग बच्चों को फलों के महत्व को बताया गया। फलों की पहचान करने के लिए फ्लैस कार्ड, चार्ट पेपर, चित्र, ब्लैक बोर्ड का प्रयोग किया गया। जिसमें मुख्यतः 10 फलों में आम, सेब, केला, अंगूर, अमरूद, अनार, लीची, सन्तरा, अनानाश, बैर की पहचान करना टास्क लिया गया। आनन्द तिवारी द्वारा बच्चों को फलों के चित्र का दिखाते हुए नाम को बताया गया। ब्लैक बोर्ड पर चित्र बनाकर दिखाया गया। फल को मूर्त रूप में लाकर दिखाया गया। एक–एक बच्चो को फल खिलाकर फल के नाम को पूछा गया। इसके बाद एक–एक बच्चों से फलो के विषय में पूछा गया। कुछ बच्चों ने सही जवाब दिया लेकिन कुछ बच्चों ने गलत जवाब दिया। गलत जवाब में सेरेब्रल पालसी व बहुदिव्यांग बच्चें रहे। वही मानसिक मन्द बच्चों ने फलों की पहचान करना सीख गये। आनन्द तिवारी ने बताया– फलों की पहचान होने से बच्चों को बाजार में फलों की खरीदारी करने में आसानी होगी। यह संस्थान लगातार यह प्रयास कर रहा है कि मानसिक दिव्यांग बच्चें भी सामन्य बच्चों की तरह अपना जीवन–यापन कर सकें और समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें।

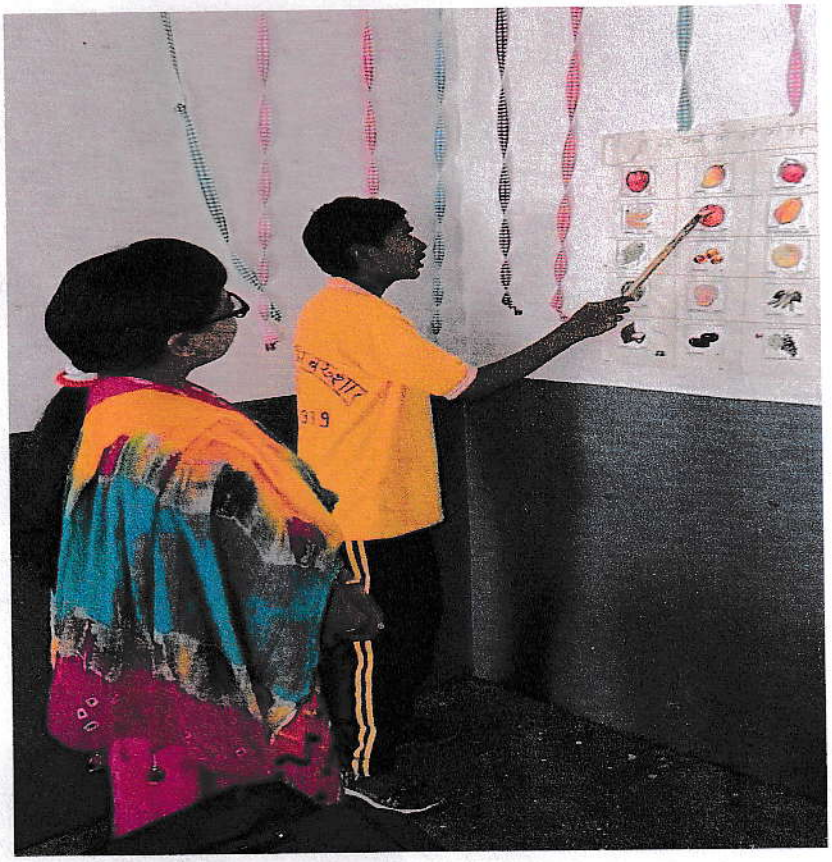

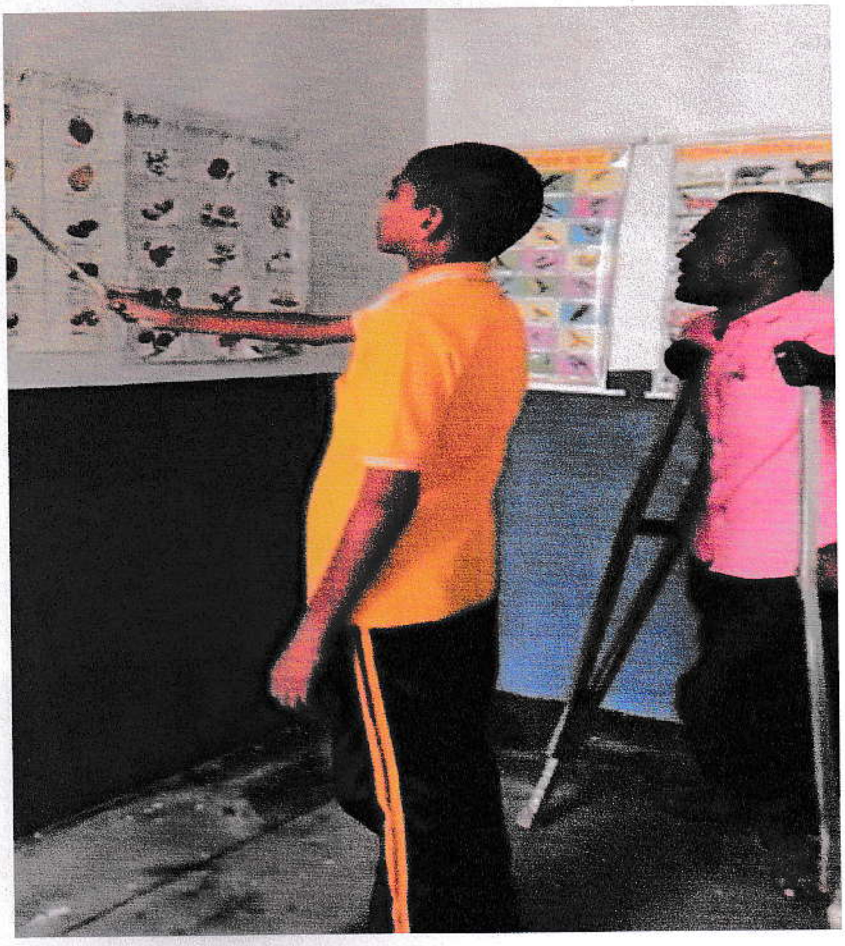

मानसिक दिव्यांग बच्चों को दैनिक कियाकलाप सिखाना

सर्वप्रथम जितेन्द्र प्रताप मौर्य के द्वारा मानसिक दिव्यांग बच्चों को नित्य किया ब्रश करने के महत्व को बताया गया। दीपकिरन गुप्ता– ने मानसिक दिव्यांग बच्चों को बताया कि– ब्रश करने से दांत साफ रहेगे, दांत में सड़न नही होगी, बदबू नही आयेगा और दांत सम्बन्धित कोई रोग नही होगा। दांत स्वच्छ और मजबूत रहेगे। उन्होने स्वतः ब्रश हाथों में लिया ब्रश पर पेस्ट लगाया बच्चों को दिखाया फिर ब्रश को मुँह में ले जाकर दॉतों की सफाई करके बच्चों को दिखाया गया। इसके बाद एक–एक बच्चों को ब्रश देकर अपने हाथों से कराया। फिर स्वतः बच्चों को ब्रश करने के लिए प्रेरित किया गया। कुछ बच्चे ब्रश को पकड़ना सीखे कुछ बच्चों ने ब्रश किया। जो बच्चें ब्रश को सही तरीके से नही पकड़ पा रहे थे। उन बच्चों को ब्रश पकड़ने के लिए सही तरीका बताया गया। बच्चें ब्रश पकड़कर ब्रश करना सीख गये। अब सभी बच्चे ब्रश को आसानी से कर लेते है। कुछ बच्चों को सपोर्ट के माध्यम से ब्रश कराया जाता है। प्रतिदिन ऐसे ही बच्चों को संस्थान के कर्मचारियों के द्वारा ब्रश करना, कपड़े पहनना, सैट के बटन को बन्द करना, खाने से पूर्व साबुन व पानी से हाथ धोना, बालों में कंघी करना, जूता व मोजा पहनना इत्यादि दैनिक कियाकलाप को दिव्यांग बच्चो को सिखाया जाता हैं। ताकि वे किसी पर बोझ न बने अपने नित्य कियाकलाप को स्वतः करने में समर्थ्य हो।

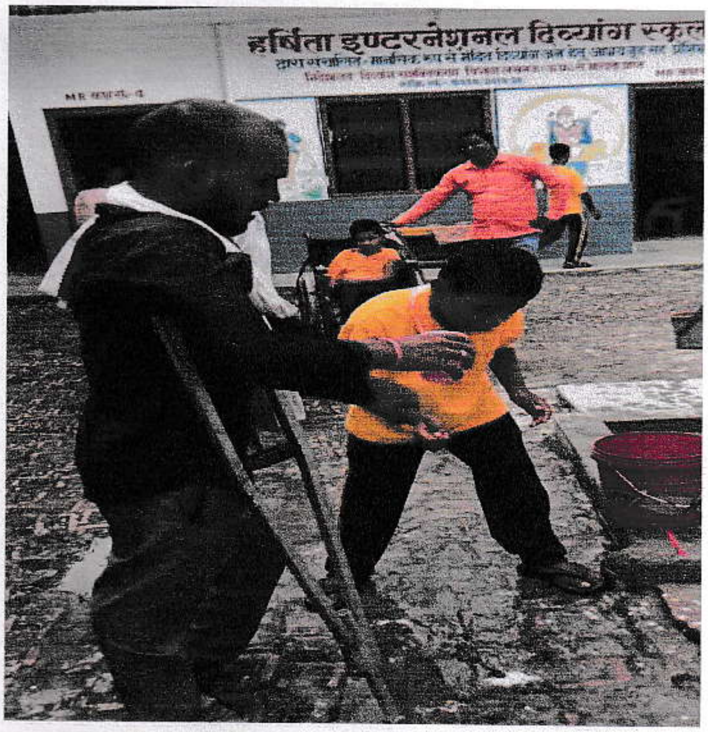

मानसिक दिव्यांग बच्चों को योग प्रशिक्षण देते प्रमोद दूबे

सर्वप्रथम मानसिक दिव्यांग बच्चों को योग प्रशिक्षक प्रमोद कुमार दूबे के द्वारा योग के महत्व को समझाया गया। जिसमें मानसिक दिव्यांग बच्चों को बताया गया कि योग करने से शारीरिक मानसिक विकास होता है। शरीर स्वस्थ्य व प्रफुल्लित रहता है। व्यक्ति कई रोग से बचा रहता है। योग हर व्यक्ति के लिए जरूरी होता है, चाहे वह दिव्यांग व्यक्ति हो या सामान्य व्यक्ति हो। योग प्रशिक्षक प्रमोद दूबे ने योगा करके कई बार दिखाया। उसके बाद बच्चों को कतारबद्ध तरीके से बैठाया गया। सेरेब्रल पालसी व बहुदिव्यांग बच्चों को व्हील चेयर पर बैठाया गया साथ में सभी कर्मचारियो को बैठाया गया। योग प्रशिक्षक द्वारा एक–एक चरण को करके दिखया गया। मानसिक दिव्यांग बच्चे व कर्मचारी भी उस चरण को दोहराते रहे। प्रतिदिन प्रार्थना के बाद योग प्रशिक्षक के द्वारा योगा कराया जाता है। सभी बच्चे योगा करना सीख गये।

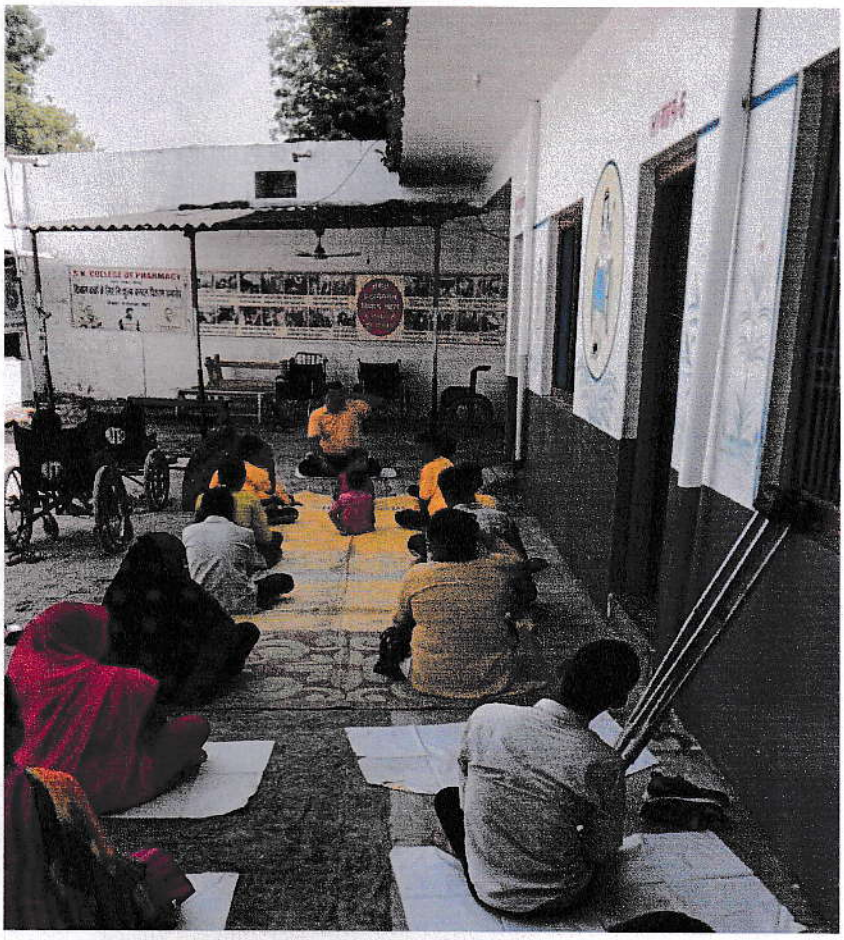

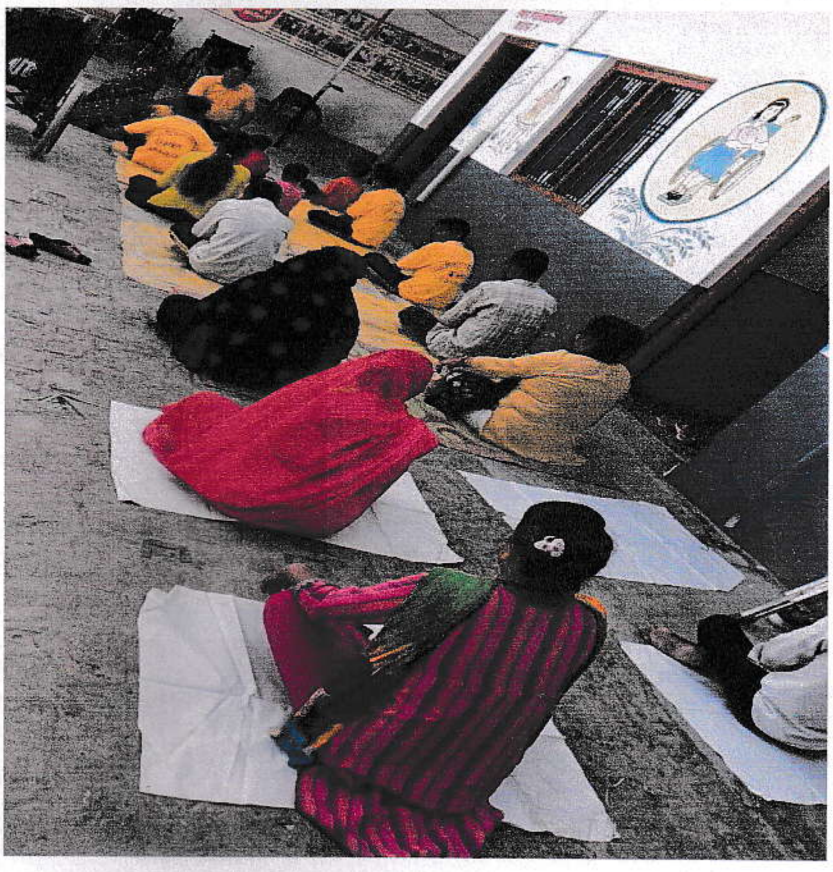

दिव्यांग बच्चों का वाराणसी में भ्रमण 2022

दिव्यांग बच्चों को संस्थान द्वारा साल में एक बार किसी सार्वजनकि स्थल पर घूमने के लिए ले जाया जाता है। जिससे दिव्यांग बच्चों का मन–विचार परिवर्तित हो। इस बार बड़ौदा यू0पी0 ग्रामीण बैंक के प्रबन्धक श्री रत्नाकर दूबे ने हरी झण्डी दिखाकर गाड़ी को रवाना किया और 1000 रूपया इिव्यांग बच्चों को रास्ते में जलपान के लिए दिया। साथ में भाजपा नेता लक्ष्मीशंकर उपाध्याय, प्रबन्धक विनोद कुमार माली, समाजसेवी प्रमोद कुमार उपाध्याय मौजूद रहे। भ्रमण पर बच्वें जाते हुए बेहद खुश दिखे। विशेष शिक्षक द्वारा रास्ते में नये–नये स्थानों के विषय में बताते रहे। मुर्त रूप से बस, ट्रेन, ट्रक से परिचित कराते रहे। पार्क में फल–फूल, पौधों से परिचित कराये। झूले पर बैठ कर विशेष शिक्षक द्वारा दिव्यांग बच्चों को दिखाया गया। उसके बाद दिव्यांग बच्चों को झूले पर झूलने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चे झूला–झूलकर बहुत ही ज्यादा खुश हुए। बच्चों को आईस्क्रीम, बिस्कुट, नमकीन, चिप्स, कोल्ड ड्रीक्स आदि खाद्यान्‌ सामाग्री खिलाते रहे। बच्चे खुश और मस्त रहे बच्चों की देखरेख के लिए दाइ मंजू प्रजापति, संगीता माली, मनोज माली, सोनम यादव, बृजमोहन, विशेष शिक्षक सपना मौर्या, कोकिला मौर्या, आनन्द तिवारी, जितेन्द्र मौर्य, जिलेदार विश्वकर्मा, सोनी माली और प्राधानाध्यापक बेबी कुशवाहा साथ मे रहे।

मानसिक दिव्यांग मनोज पाल का नेशनल बैडमिन्टन में हुआ चयन

हर्षिता इण्टरनेशनल दिव्यांग स्कूल एवं प्रशिक्षण केन्द्र बक्शा, जौनपुर का छात्र मनोज कुमार पाल का चयन नेशनल बैडमिन्टन में हुआ। जनपद का यह पहला बच्चा है जो नेशनल गेम में चानित हुआ है। दिल्ली हरियाणा में 3 दिवसीय बैडमिन्टन को खेला जिसमें तीसरे स्थान पर अपना नाम दर्ज कराया। यह जनपद के लिए गौरव की बात थी कि कोई मानसिक दिव्यांग छात्र नेशनल बैडमिन्टन में चयनित हुआ। बैडमिन्टन की तैयारी संस्थान के कर्मचारियों के द्वारा लगातार मानसिक दिव्यांग मनोज कुमार पाल को सिखाया जा रहा था। अन्य बच्चों को भी अलग–अलग खेल सिखाये जा रहे है। मौका मिलने पर ये बच्चे भी खेल में प्रतिभाग करेगे। यह नेशनल बैडमिन्टन मानसिक दिव्यांग छात्रों के लिए स्पेशल ओलम्पिक भारत के द्वारा कराया जाता है। जिसमें भारत देश के सभी प्रदेश के मानसिक दिव्यांग प्रतिभाग करते है। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया जाता है। जिसमें मनोज कुमार पाल को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वापस लौटने पर वाराणसी में भव्य स्वागत सम्मान का कार्यक्रम हुआ और दिव्यांग संस्थान बक्शा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन करके सम्मानित किया गया।

मानसिक मन्द बच्चों को व्यवसायिक प्रशिक्षण देना

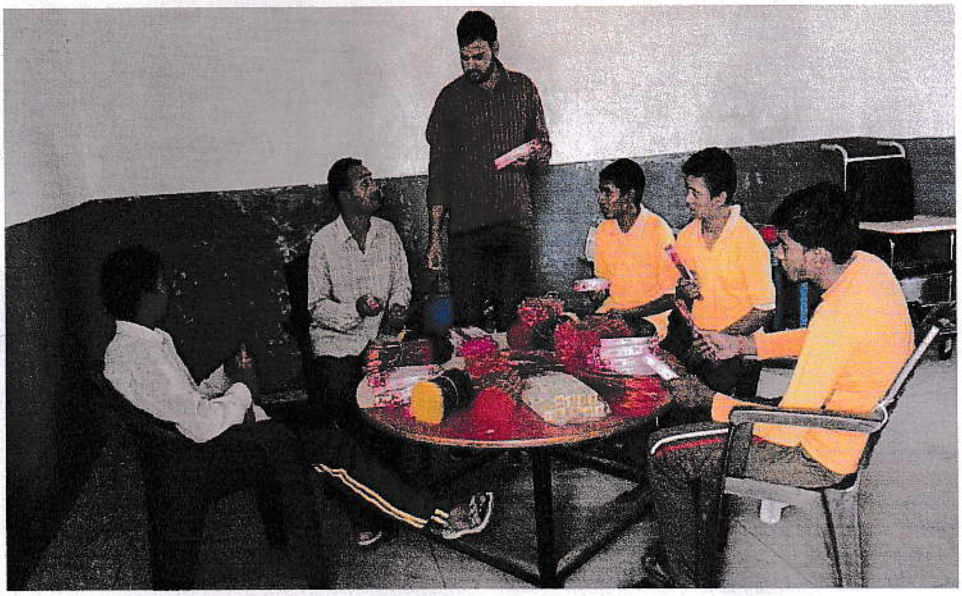

व्यवसायिक प्रशिक्षक सन्दीप कुमार सैनी द्वारा सर्वप्रथम व्यवसाय के महत्व को दिव्यांग बच्चों को बताया गया। व्यवसाय करने से पैसा मिलता है। जिससे अपना भरण–पोषण कर सकते हो। परिवार के लोग खुश होगे आपको भी आपके भाई–बहन जैसा प्यार व सम्मान मिलेगा। व्यवसाय में अगरबत्ती पैकिंग करना चुना गया। बच्चों को सर्वप्रथम स्वतः अगरबत्ती को पन्नी में डालना, उसके बाद डिब्बे में डालना फिर उसे टेप लगाकर पैक करना बताया गया। कई दिनों तक बच्चों स्वतः पैकिंग करके दिखाया गया। इसके बाद बच्चों से स्वतः अगरबत्ती को पन्नी में डालना फिर डिब्बे में डालना फिर टेप लगाने को कहा गया। बच्चे अब अगरबत्ती स्वतः पैक कर लेते है। बहुत से बच्चे आत्मनिर्भर हो गये है। सन्दीप सैनी ने कहा– यह व्यवसाय माइल्ड मोडरेड मानसिक दिव्यांग बच्चों को सिखाया जा रहा है। जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। अगरबत्ती पैकिंग होकर मार्केट में बेची जाती है। जो पैसा मिलता है वो पैसा दिव्यांग बच्चों के अभिभावक को बुलाकर दिया जाता है। जिससे अभिभावक इन बच्चों को बोझ न समझे। इनकी देख–रेख सामान्य बच्चों की तरह कर सकें और ये समाज में सामान्य बच्चों की तरह अपना जीवन–यापन कर सकें और समाज की मुख्य धारा से जुड़ सकें।

जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकरी दिव्या शुक्ला द्वारा दिव्यांग संस्थान का निरीक्षण

हर्षिता इण्टरनेशल दिव्यांग स्कूल एवं प्रशिक्षण केन्द्र बक्शा, जौनपुर का निरीक्षण जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी श्रीमती दिव्या शुक्ला जी द्वारा दिव्यांग बच्चों के बीच आकर निःशुल्क भोजन, कपड़ा, दिव्यांग प्रमाण–पत्र आदि की जानकारी ली। जिसमें दिव्यांग बच्चों ने बताया कि हम लोगों को यहाँ पर भोजन, कपड़ा, जूता, पढ़ाई, घर आने–जाने के साधन इत्यादि सुविधाये निःशुल्क मिलता है। उस दिन

संस्थान में मानसिक दिव्यांग बच्चों की संख्या 65 थी। सभी स्टाफ मौके पर उपस्थित रहे। जो रजिस्टर के अनुसार था। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने मानसिक दिव्यांग बच्चों से शिक्षण के सम्बन्ध में सवाल–जवाब किया। बच्चों के उत्तर से बेहद खुश रही। उन्होनें फल मंगाकर बच्चों को वितरीत किया। फल खाकर बच्चें भी बेहद खुश हुए। संस्थान के अन्य कागजों के विषय में जानकारी प्रबन्धक से ली। सभी स्टाफ का शैक्षणिक योग्यता और कार्य अनुभव को पूछा। सब सही और सत्य पाया गया। उन्होनें संस्थान के दिव्याग बच्चो को हर सम्भव प्रयास मदद करने का भरोसा दिया।

आई०ए०एस० हिमान्शु नागपाल जी द्वारा द्विव्यांग संस्थान में भ्रमण

19 जून 2021 को हर्षिता इण्टरनेशनल दिव्यांग स्कूल एवं प्रशिक्षण केन्द्र बक्शा, जौनपुर का एस०डी०एम० सदर हिमान्शु नागपाल जी ने सोसल मीडिया, प्रिन्ट मीडिया पर वायरल दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क शिक्षण–प्रशिक्षण, भोजन, कपड़ा, स्वास्थ्य परीक्षण, दिव्यांग प्रमाण पत्र एवं फिजियोथिरेपी इस संस्थान द्वारा दी जा रही है। उस दिन दिव्यांग बच्चों की उपस्थिति 60 थी और मौके पर सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। एस०डी०एम० ने मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए कौन–कौन से कार्य किये जा रहे है। जो इन के जीवन में उपयोगी हो। इसकी जानकारी ली और अपनी जॉच में उन्होने पाया कि यह दिव्यांग संस्थान मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए लगातार कई वर्षों से निःशुल्क सेवा दे रहा है। संस्थान के कार्यो से खुश होकर 1000/– रूपया दिव्यांग बच्चों को मिठाई खाने के लिए दिये और आश्वासन दिया कि इन बच्चों के उद्धार के लिए जो भी सहयोग होगा मै करूगॉ। मानसिक दिव्यांग बच्चें मिठाई खाकर बेहद खुश हुए और दूसरी बार पुनः एस०डी०एम० सर द्वारा दिव्यांग बच्चों को फल और मिठाई लाकर वितरण किये।

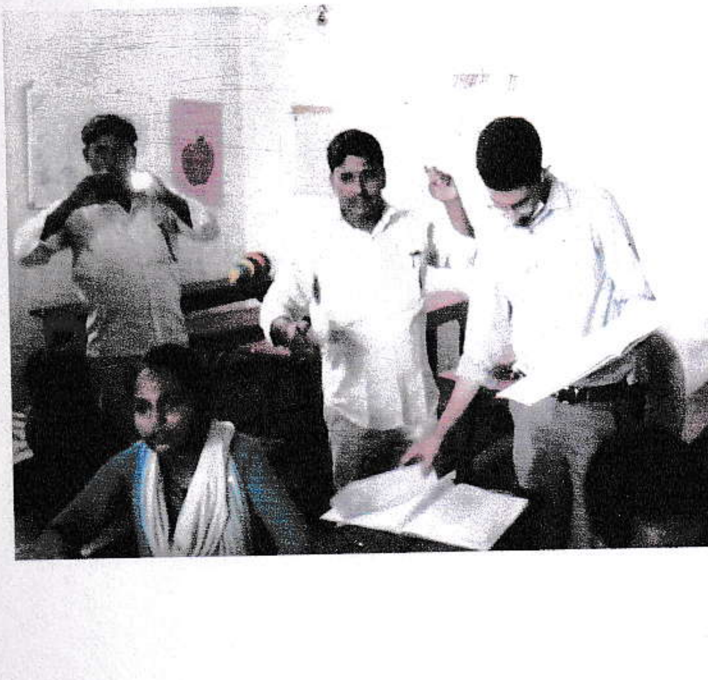

विश्व दिव्यांग दिवस 03 दिसम्बर 2022

03 दिसम्बर 2022 को विश्व दिव्यांग दिवस जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर/जिला समन्वयक समेकित शिक्षा के द्वारा शिया डिग्री कालेज में सांस्कृतिक एवं खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी, जौनपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी, जौनपुर उपस्थित रहें। जिसमें मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के द्वारा माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी के आदेशानुसार हर्षिता इण्टरनेशनल दिव्यांग स्कूल एवं प्रशिक्षण केन्द्र बक्शा, जौनपुर के दिव्यांग बच्चों को कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए बुलाया गया था। मानसिक दिव्यांग रोली उपाध्याय को डान्स के कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा 500/– रूपये का प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी। मटका फोड़ प्रतियोगिता में अरूण बनवासी को प्रथम स्थान आने पर मेडल व प्रमाण–पत्र देकर जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान सरोज पाल व द्वितीय स्थान ओम यादव को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी बच्चें सांस्कृतिक एवं खेल–कूद प्रतियोगिता में उत्साहित होकर प्रतिभाग किये। अधिकारी द्वारा सब बच्चों को भोजन और एक–एक सीट कपड़ा दिया गया।

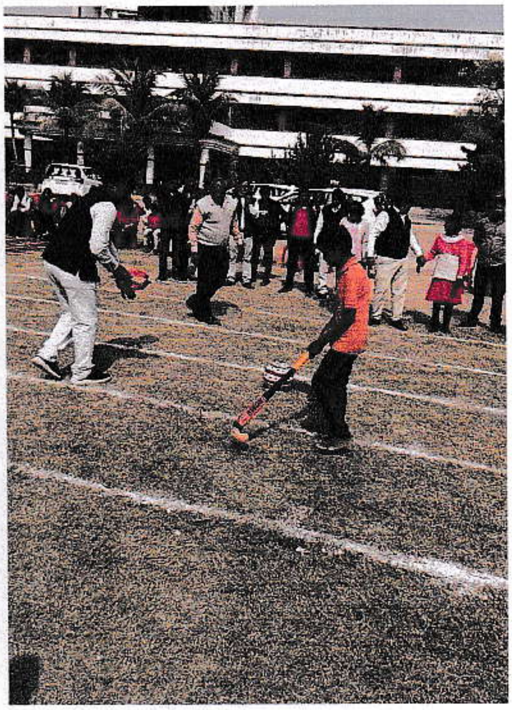

स्वतन्त्रता दिवस 2022 के अवसर पर दिव्यांग बच्चों के बीच ध्वजा–रोहण करते विधान परिषद सदस्य प्रिन्सू सिंह

हर्षिता इण्टरनेशनल दिव्यांग स्कूल एण्ड प्रशिक्षण केन्द्र बक्शा (सरस्वती समावेशित शिक्षण ट्रस्ट) जौनपुर में 15 अगस्त 2022 के अवसर पर विधान परिषद सदस्य प्रमुख श्री प्रिन्सू सिंह के द्वारा ध्वजा–रोहण किया गया। माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। बच्चों द्वारा राष्ट्रगान सरस्वती वन्दना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद दिव्यांग बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल–कूद प्रतियोगिता कराया गया। जिसमे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दिव्यांग बच्चों को प्रिन्सू सिंह के द्वारा मोमेन्टो व वस्त्र देकर सम्मानित किया गया ओर पॉच हजार रूपय दिव्यांग बच्चों को मिठाई खाने के लिए दिये। जेसीआई चेतना जौनपुर की अध्यक्ष श्रीमती अभिलाषा श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष ममता गुप्ता के द्वारा दिव्यांग बच्चों को ड्राइंग बाक्स व खाद्यान की सामग्री वितरीत की गयी। मौके पर ग्रामप्रधान पुत्र श्री अरूण मौर्य के द्वारा दिव्यांग बच्चों को 5 किलो मिठाई वितरीत की गयी। मौके पर पूर्व प्रधानाध्यापक श्रीनारायण उपाध्याय व श्री प्रभाकर उपाध्याय प्रबन्धक विनोद कुमार माली सचिव शिवपूजन उपाध्यक्ष रामअवतार माली सदस्य प्रमोद कुमार माली एवं सभी स्टाफ व मानीन्द लोग, बच्चे उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मानसिक दिव्यांग, सेरेब्रल पालसी, बहुदिव्यांग बच्चों सहित 127 लोगों ने प्रतिभाग किया।

आपका थोड़ा सा सहयोग दिव्यांग बच्चों के जीवन में ख़ुशियॉ ला सकता है।

गणतन्त्र दिवस 2023 के अवसर पर दिव्यांग बच्चों के बीच ध्वजा–रोहण करते ब्लाक प्रमुख मनोज कुमार यादव

हर्षिता इण्टरनेशनल दिव्यांग स्कूल एण्ड प्रशिक्षण केन्द्र बक्शा (सरस्वती समावेशित शिक्षण ट्रस्ट) जौनपुर में 26 जनवरी 2023 के अवसर पर ब्लाक प्रमुख श्री मनोज कुमार यादव के द्वारा ध्वजा–रोहण किया गया। माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। बच्चों द्वारा राष्ट्रगान सरस्वती वन्दना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके बाद दिव्यांग बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेल–कूद प्रतियोगिता कराया गया। जिसमे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दिव्यांग बच्चों को ब्लाक प्रमुख मनोज कुमार यादव के द्वारा 5 हजार रूपये आर्थिक सहयोग व 10 किग्रा लडडू वितरीत किया गया। स्वामी श्यामजी महराज के द्वारा दिव्यांग बच्चों को 2 हजार रूपया मिठाई खाने के लिए दिया गया। जेसीआई चेतना जौनपुर की अध्यक्ष श्रीमती सोनी जायसवाल कोषाध्यक्ष मीरा अग्रहरी के द्वारा दिव्यांग बच्चों को लंच पैकेट वितरीत किया गया। मौके पर ग्रामप्रधान पुत्र श्री अरूण मौर्य के द्वारा दिव्यांग बच्चों को 5 किलो मिठाई वितरीत की गयी। मौके पर पूर्व प्रधानाध्यापक श्रीनारायण उपाध्याय व श्री प्रभाकर उपाध्याय प्रबन्धक विनोद कुमार माली सचिव शिवपूजन उपाध्यक्ष रामअवतार माली सदस्य प्रमोद कुमार माली, मनोज कुमार माली, सोनम यादव, बृजमोहन, आनन्द तिवारी, प्रधानाध्यापक बेबी कुशवाहा एवं सभी स्टाफ व मानीन्द लोग बच्चे उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मानसिक दिव्यांग, सेरेब्रल पालसी, बहुदिव्यांग बच्चों सहित 95 लोगों ने प्रतिभाग किया।

आपका थोड़ा सा सहयोग दिव्यांग बच्चों के जीवन में ख़ुशियाँ ला सकता है।